

6.6% भारत की ग्रोथ रेट: विश्व बैंक

वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 7.6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है

नई दिल्ली, 9 अप्रैल. वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर एक सकारात्मक संकेत सामने आया है. विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6.3 प्रतिशत था.

इस संशोधन के पीछे मजबूत घरेलू मांग, निर्यात में लचीलापन और हाल के मुक्त व्यापार समझौतों को प्रमुख कारण माना गया है. रिपोर्ट के अनुसार, भारत न केवल अपनी विकास गति बनाए हुए है, बल्कि दक्षिण एशिया क्षेत्र में आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन भी बना हुआ है. निजी उपभोग में वृद्धि, कम मुद्रास्फीति और वस्तु



एवं सेवा कर के युक्तिकरण जैसे कारकों ने आर्थिक गतिविधियों को मजबूती दी है. हालांकि, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में संभावित वृद्धि और बाहरी चुनौतियां अभी भी चिंता का विषय बनी हुई हैं. इसके बावजूद, विश्व बैंक का मानना है कि भारत की अर्थव्यवस्था आने वाले वर्षों में भी स्थिर और मजबूत

बनी रह सकती है. विशेष रूप से ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ हुए व्यापार समझौतों का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है. आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में भारत की विकास दर 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान था, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 7.6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है.

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि कम मुद्रास्फीति और जीएसटी के युक्तिकरण से निजी उपभोग में सुधार हुआ है, जो आर्थिक गतिविधियों को गति देने में अहम भूमिका निभा रहा है. हालांकि, वैश्विक ऊर्जा कीमतों में संभावित वृद्धि से महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है और इससे परिवारों की खर्च करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है. विश्व बैंक ने यह भी सुझाव दिया है कि वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही तक उपभोक्ता मांग को समर्थन देने के लिए जीएसटी दरों को स्थिर रखा जाना चाहिए. इससे आर्थिक वस्तुलन बनाए रखने में मदद मिल सकती है.

बैंकिंग, वित्तीय कंपनियों में बिकवाली, संसेक्स 931 अंक लुढ़का

मुंबई, 9 अप्रैल. विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच शेरलु शेयर बाजारों में गुरुवार को बैंकिंग एवं वित्तीय कंपनियों में बिकवाली हावी रही और बीएसई का संसेक्स 931.25 अंक (1.20 प्रतिशत) घटकर 76,631.65 अंक पर बंद हुआ. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 222.25 अंक यानी 0.93 प्रतिशत नीचे 23,775.10 अंक पर आ गया. पिछले कारोबारी दिवस पर संसेक्स में तकरीबन चार प्रतिशत की तेजी के बाद आज हुई मुनाफा वसूली से प्रमुख सूचकांक गिरावट में रहे. हालांकि कुल मिलाकर निवेश धारणा मजबूत रही. मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक बढ़त में रहे.

तेल के कीमतों में 4 प्रतिशत उछाल दर्ज

नई दिल्ली, 9 मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है. गुरुवार को कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया, जहां ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई दोनों में करीब 4 प्रतिशत तक की बढ़त देखने को मिली.

यह तेजी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका और ईरान के बीच संभावित सीजफायर को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तेल आपूर्ति अब भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाई है. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि स्थिति जल्द नहीं सुधरी, तो तेल की कीमतों में और तेजी आ सकती है, जिसका असर सीधे तौर पर वैश्विक अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगा. एक दिन



पहले कीमतों में आई बड़ी गिरावट के बाद यह उछाल बाजार की अस्थिरता को भी दर्शाता है. ब्रेंट क्रूड पयुर्स लगभग 3.31 प्रतिशत बढ़कर 97.89 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया. जबकि

अमेरिकी डब्ल्यूटीआई कूड में 4.2 प्रतिशत की तेजी के साथ यह 98.38 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता नजर आया. यह उछाल ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में शांति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है. दरअसल, अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित दो सप्ताह के सीजफायर पर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है. इसके साथ हॉर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, अब भी पूरी तरह से सुचारु नहीं हो पाया है.

यह उछाल ऐसे समय में आया है जब क्षेत्र में शांति को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित दो सप्ताह के सीजफायर पर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इसके साथ ही हॉर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, अब भी पूरी तरह से सुचारु नहीं हो पाया है। जलडमरूमध्य इराक, सऊदी अरब, कुवैत जैसे प्रमुख तेल उत्पादक देशों से दुनिया भर में तेल पहुंचाने का अहम रास्ता है।

लायंस रिटेल स्टार्टअप सूची में सातवें स्थान पर

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें स्थान पर

नई दिल्ली, 9 अप्रैल. रिलायंस रिटेल दुनिया की सबसे मूल्यवान निजी स्टार्टअप कंपनियों की वैश्विक सूची में सातवें स्थान पर पहुंच गई है. स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की रिसर्च के अनुसार, 100 अरब से अधिक मूल्यांकन के साथ कंपनी ने वैश्विक स्टार्टअप सूची में पहली 100 मूल्यवान स्टार्टअप कंपनियों की सूची में तीसरे स्थान पर शामिल हो गई है. लिस्ट में रिलायंस रिटेल ने सबसे ऊंची रैंकिंग हासिल कर, भारत की मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है. रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस रिटेल का पोस्ट-मनी वैल्यूएशन 100 अरब से अधिक है, जिससे वह दुनिया की उन सात कंपनियों में शामिल हो गई है जिन्हें 'हेक्टाकार्न' कहा जाता है. इसका मतलब जिन स्टार्टअप की वैल्यूएशन 100 को पार कर जाती है उन्हें हेक्टाकार्न के नाम से जाना जाता है.

शीर्ष सात कंपनियों में रिलायंस रिटेल रिटेल सेक्टर की एकमात्र कंपनी है. कंपनी को कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी, केकेआर, सिल्वरलेक, जीआईसी, टीपीजी और मुंबाडाला जैसे प्रमुख वैश्विक निवेशकों से निवेश प्राप्त हुआ है. निवेशकों द्वारा लगाई गई कंपनी की कीमत को ही रैंकिंग का प्रमुख आधार माना गया है. रैंकिंग स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस की वेंचर कैपिटल इनीशिएटिव की रिसर्च में दी गई है, जो जनवरी 2026 तक के आंकड़ों पर आधारित है. सूची में पहले तीन स्थान पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कंपनी ओपनएआई, एलन मस्क की स्पेसएक्स और एंशोपिक शामिल हैं, जो वैश्विक निवेश रजिनों में टेक और एआई कंपनियों के बढ़ते दबाव को दिखाता है. रिपोर्ट में भारत की कुल तीन कंपनियां शामिल हैं. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज 24 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 27वें स्थान पर है, जबकि टाटा इवी मोबिलिटी 9 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ 93वें स्थान पर रही. अमेरिका 65 कंपनियों के साथ सूची में सबसे आगे है, जबकि चीन की 21 कंपनियां शामिल हैं. भारत और ब्रिटेन की तीन-तीन कंपनियों ने सूची में जगह बनाई है.

सस्ते होंगे फ्लाइट का टिकट: सरकार

बढ़ती ईंधन कीमतों के बीच सरकार ने दी राहत की रास
तीन महीने में एयरलाइंस को 400 करोड़ की बचत का अनुमान



नई दिल्ली. घरेलू हवाई यात्रा के लिए खुशखबरी है. भारतीय सरकार ने डोमेस्टिक एयरलाइंस को बड़ी राहत दी है, जिससे यात्रियों पर फ्लाइट किराए में अचानक बढ़ोतरी का बोझ कम होगा.

एटीएफ को बढ़ती कीमतों के बीच घरेलू एयरलाइंस को मदद के लिए लैंडिंग और पार्किंग शुल्क में तीन महीने के लिए 25 प्रतिशत की कटौती की जाएगी. इस निर्णय का उद्देश्य न केवल एयरलाइंस के ऑपरेशनल प्रेशर को कम करना है, बल्कि आम यात्रियों के लिए हवाई यात्रा को सुलभ और किफायती बनाए रखना भी है. मंत्रालय ने

एयरपोर्ट इकोनॉमिक रेग्युलेटरी अथॉरिटी को निर्देश दिए हैं कि यह राहत तुरंत प्रभाव से लागू की जाए, खासकर प्रमुख एयरपोर्ट्स पर. मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और वैश्विक एटीएफ कीमतों में उछाल के बीच भारतीय घरेलू एयरलाइंस को सरकार ने राहत दी है. नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू के अनुसार, लैंडिंग और पार्किंग शुल्क में तीन महीने के लिए 25 प्रतिशत की कटौती की गई है. इसका उद्देश्य एयरलाइंस पर बढ़ते ऑपरेशनल बोझ को कम करना और यात्रियों को हवाई यात्रा के बढ़ते किराए से बचना है.

चांदी में 2 प्रतिशत की आई गिरावट

नई दिल्ली, 9 अप्रैल. मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बावजूद गुरुवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई, जो निवेशकों के रुझान में बदलाव का संकेत देती है.

आमतौर पर ऐसे तनावपूर्ण माहौल में सोना-चांदी को सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन इस बार बाजार का व्यवहार अलग नजर आया. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के जून वायदा में सुबह के कारोबार के दौरान 0.74 प्रतिशत या 1,129 रुपये की गिरावट आई, जिससे यह 1,50,647 रुपये के इंट्राडे लो तक फिसल गया. हालांकि बाद में कुछ रिक्वरी देखने को मिली और सोना 1,51,113 रुपये के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जो



दिखना यह दर्शाता है कि फिलहाल अन्य वैश्विक कारक कीमतों को अधिक प्रभावित कर रहे हैं. मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के जून वायदा में सुबह के कारोबार के दौरान 0.74 प्रतिशत या 1,129 रुपये की गिरावट आई, जिससे यह 1,50,647 रुपये के इंट्राडे लो तक फिसल गया. हालांकि बाद में कुछ रिक्वरी देखने को मिली और सोना 1,51,113 रुपये के स्तर पर कारोबार करता नजर आया, जो

कारोबार के दौरान इसका उच्च स्तर 2,37,589 रुपये रहा, जबकि बाद में यह 2,36,417 रुपये पर ट्रेड करती दिखी, जो 1.46 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है. विश्लेषकों के अनुसार, चांदी के लिए 2,40,000 से 2,43,000 रुपये का स्तर मजबूत रेजिस्टेंस के रूप में बना हुआ है. यदि कीमतें इस स्तर को पार करती हैं, तो 2,45,000 से 2,47,000 रुपये तक तेजी संभव है. वहीं, 2,36,000 रुपये के नीचे बने रहने पर कीमतों में और गिरावट आ सकती है.

अभी भी 0.44 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है. सोने का इंट्राडे हाई 1,51,452 रुपये रहा. वहीं चांदी में अपेक्षाकृत ज्यादा दबाव देखने को मिला.

सैमसंग गैलेक्सी ए57, ए37 की बिक्री आज से शुरू

नई दिल्ली, 9 अप्रैल. देश के प्रमुख उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने नये गैलेक्सी ए57 5जी और गैलेक्सी ए37 5जी स्मार्टफोन की बिक्री शुक्रवार 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है.

8जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 56,999 रुपये और 12जीबी/256जीबी वेरिएंट के लिए 62,499 रुपये रखी गयी है. वहीं, गैलेक्सी ए57 5जी स्मार्टफोन की बिक्री शुक्रवार 10 अप्रैल से शुरू करने की घोषणा की है. कंपनी ने गुरुवार को बताया कि नयी ए सीरीज विशेषकर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है. गैलेक्सी ए57 5जी तीन रंगों - ऑसम नेवो, ऑसम आइसीक्यू और ऑसम लिलैक - में उपलब्ध होगा. इसकी कीमत

कंपनी ने गुरुवार को बताया कि नयी ए सीरीज विशेषकर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार की गयी है. गैलेक्सी ए57 5जी तीन रंगों - ऑसम नेवो, ऑसम आइसीक्यू और ऑसम लिलैक - में उपलब्ध होगा. इसकी कीमत

समाचार विशेष

मराठा बनाम गैर मराठा की राजनीति

मुंबई. इस समय महाराष्ट्र में बहुत दिलचस्प राजनीति हो रही है. भारतीय जनता पार्टी ने दो सबसे बड़े मराठा नेताओं अजित पवार और एकनाथ शिंदे को साथ लेकर गैर मराठा राजनीति की थी. इस समीकरण के दम पर उसने 2024 के चुनाव में ऐतिहासिक जनादेश हासिल किया. भाजपा अकेले दम पर बहुमत के नजदीक पहुंच गई.

कांग्रेस ने वह राजनीति शरद पवार के जिम्मे छोड़ी है. गैर मराठा राजनीति साधने के दांव से ही कांग्रेस ने बारामती सीट पर उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है. महाराष्ट्र में यह परंपरा है कि किसी विधायक के निधन से खाली हुई सीट पर उपचुनाव में अगर उसके परिवार का कोई लड़ रहा हो तो बड़ी पार्टियां उम्मीदवार नहीं देती हैं. कांग्रेस ने इस परंपरा को तोड़ दिया है.



कांग्रेस ने आकाश मोरे को टिकट दिया है. उनके पिता विजय राव मोरे बहुत पहले एक बार एमएलसी रहे थे. खुद आकाश मोरे 2014 में इस सीट पर अजित पवार के खिलाफ लड़े थे और जमानत जब्त कराई थी. वे धनगर जाति से आते हैं. राज्य की उप मुख्यमंत्री और दिवंगत अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार इस सीट से चुनाव लड़ रही हैं.

उन्होंने खुद फोन करके कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल से उम्मीदवार नहीं उतारने की अपील की थी. सपकाल को राहुल गांधी का करीबी माना जाता है. उन्होंने इनकार कर दिया. बाकी उद्वगटकार और शरद पवार ने उम्मीदवार नहीं दिया है. यह देखा दिलचस्प होगा कि पवार परिवार के इस गढ़ में आकाश मोरे कितना वोट हासिल कर पाते हैं.

पिता के लिए बेटे ने टुकराया टिकट

तमिलनाडु की राजनीति में घमासान वेळोर (तमिलनाडु). तमिलनाडु विधानसभा चुनाव की राजनीति में रिश्तों और टिकटों के बीच एक दिलचस्प खेल देखने को मिल रहा है. रानीपेट विधानसभा सीट पर चल रही चुनावी उठापटक ने उस वक्त नया मोड़ ले लिया, जब बेटे ने पिता के लिए मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया. डीएमके की लिस्ट में नाम आने के बाद भी मंत्री आर. गांधी के बेटे विनोद गांधी ने अपना हाथ पीछे खींच लिया.



एक बड़े और आखिरी वक्त के घटनाक्रम में, तमिलनाडु के मंत्री आर. गांधी के बेटे विनोद गांधी ने रानीपेट निर्वाचन क्षेत्र से 2026 का फैसला किया. उन्होंने अपने पिता के लिए यह अवसर छोड़ने का विकल्प चुना. 29 मार्च को जारी

द्रमुक (इरुव) की उम्मीदवार सूची में विनोद गांधी को मंत्री पिता आर गांधी की जगह रानीपेट विधानसभा सीट के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनाया गया था. टेक्सटाइल और हैंडलूम मंत्री आर. गांधी ने मीडिया से बात करते हुए कहा, सोशल मीडिया

डीएमके लीडरशिप के निर्देशों के अनुसार, मैंने अपना नॉमिनेशन फाइल किया है.

इससे पहले सोशल मीडिया पोस्ट में, विनोद गांधी ने खुद पर भरोसा जताने के लिए मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन और उदयनिधि स्टालिन का आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा- अपने पिता की देवारा चुनाव लड़ने की इच्छा का सम्मान करते हुए, मैंने यह अवसर उन्हें सौंपने का निर्णय लिया. उन्होंने अपने समर्थकों का भी धन्यवाद किया और भविष्य में जनसेवा जारी रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई.

प्लेटफॉर्म पर लोग बेवजह अलग-अलग राय शेर कर रहे हैं. मैं ऐसे फालतू के विवादों का जवाब नहीं देना चाहता.

फरक्का सीट पर फैसले का कांग्रेस को फायदा

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में कांग्रेस पार्टी सिर्फ दो जिलों में ही गंभीरता से चुनाव लड़ रही है. एक जिला है मुर्शिदाबाद और दूसरा है मालदा. मुर्शिदाबाद की फरक्का सीट पर कांग्रेस के उम्मीदवार का मामला उलझ गया था.

दूसरी ओर टिब्यूनल ने अपना काम शुरू नहीं किया है. सो, वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे. सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर साल्ट लेक में टिब्यूनल की बैठक हुई, जिसमें उनकी याचिका सुनी गई. उन्होंने अपना पासपोर्ट पेश किया, जिसे टिब्यूनल के जज ने बतौर प्रमाण स्वीकार कर लिया और चुनाव आयोग को निर्देश दिया है कि माहताब शेख का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाए. वैसे तो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हर जगह नाम कटने का विरोध कर रही हैं लेकिन फरक्का के कांग्रेस उम्मीदवार का नाम कटने से उनकी पार्टी खुश थी.

मोदी मैजिक ममता बनर्जी के चेहरे पर घबराहट और परेशानी नजर आ रही

प. बंगाल में ममता का किला टूटना शुरू

(राकेश शर्मा) पश्चिम बंगाल में चुनाव का नगाड़ा तेजी से बज रहा है। सभी पार्टियां अपनी पूरी ताकत चुनाव में झोक चुकी हैं इस चुनाव में जिस तरह से ममता बनर्जी के चेहरे पर घबराहट और परेशानी नजर आ रही है उससे यह प्रतीत होता है कि ममता का मजबूत किला इस बार भरभराकर गिरने वाला है। एस.आई.आर. जहां ममता दीदी के लिए एक बड़ा दर्द बना हुआ है जिससे वह बाहर नहीं निकल पा रही हैं, अपनी हर चुनाव रैली में इस दर्द को बयां कर रही हैं ममता अपनी जंदगी के सबसे कठिन चुनाव में फंसी हुई हैं। भारतीय जनता पार्टी लगातार

चुसपैट, भ्रष्टाचार, बिगड़ती कानून व्यवस्था, कट मनी और भाई भतीजावाद को अपना प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाकर ममता पर लगातार हमले कर रहे हैं। चुसपैट पश्चिम बंगाल में एक नासूर की

तरह हो गया है जिससे मूल पश्चिम बंगाल का नागरिक बहुत परेशान है क्योंकि उनके रोजगार और संसाधनों पर चुसपैटियों का कब्जा हो गया है। इसी ही ममता के मंत्री भ्रष्टाचार में गले-गले तक डूबे हुए हैं ममता के बाद उनके भतीजे पार्टी के सबसे बड़े नेता हैं जो ममता बनर्जी के साथ लंबे समय से काम करने वाले नेताओं पर अपना हुकूम चलाते हैं, यह भी पार्टी में एक दार पैदा कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी इस चुनाव को कितनी गंभीरता से ले रही है यह इससे सिद्ध होता है कि भारतीय जनता पार्टी के चाणक्य और प्रमुख रणनीतिकार अमित शाह लगातार पश्चिम बंगाल में दौरा कर रहे हैं।

